चुनाव आयोग

चर्चा में क्यों ?

- चुनाव आयोग द्वारा चुनावों में ईमानदारी पर 2 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) द्वारा किया जायेगा।

प्रमुख बिंदु

- इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन नई दिल्ली में में किया जायेगा।
- इसमें लगभग 17 देश द्वारा चुनावों में सत्यनिष्ठा और प्रौद्योगिकी के उपयोग पर विचार-विमर्श करने के लिए भाग लेंगे।
- भाग लेने वाले देशों में अंगोला, अर्जेंटीना, आर्मेनिया, ऑस्ट्रेलिया, चिली, क्रोएशिया, डोमिनिका, फिजी, जॉर्जिया, इंडोनेशिया, किरिबाती, मॉरीशस, नेपाल, पराग्वे, पेरू, फिलीपींस और सूरीनाम शामिल हैं। नई दिल्ली में स्थित कई विदेशी मिशनों के प्रतिनिधियों के भी इस सम्मेलन में भाग लेने की उम्मीद है।
- **उद्देश्य -** इसका उद्देश्य भारत के चुनाव प्रबंधन में अपने ज्ञान और विशेषज्ञता को अन्य लोकतंत्रों के साथ साझा करना है।
- 'लोकतंत्र के लिए शिखर सम्मेलन' के कार्य वर्ष के हिस्से के रूप में, भारत चुनाव आयोग के माध्यम से दुनिया के अन्य लोकतंत्रों के साथ अपने ज्ञान, तकनीकी विशेषज्ञता और अनुभवों को साझा करने के लिए 'चुनाव की सत्यनिष्ठा पर लोकतंत्र समूह' का नेतृत्व कर रहा है।
- इसके अतिरिक्त ,दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में कुल 43 प्रतिभागी होंगे, जिनमें छह वैश्विक संगठन; जैसे- इंटरनेशनल फाउंडेशन फॉर इलेक्टोरल सिस्टम्स और इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस (IDEA) शामिल हैं।
- इसके तहत चुनाव आयोग, चुनावी सत्यनिष्ठा पर दल का नेतृत्व कर रहा है, जिसे दिसंबर, 2021 में वस्तुतः आयोजित **'समिट फॉर डेमोक्रेसी'** के अनुवर्ती के रूप में स्थापित किया गया था।
- **'समिट फॉर डेमोक्रेसी'**, अमेरिकी राष्ट्रपति की एक पहल थी, जिसने 2021 में इसकी मेजबानी की गई थी।

- शिखर सम्मेलन के बाद, लोकतंत्र से संबंधित विषयों पर घटनाओं और संवादों के साथ एक **"कार्रवाई का वर्ष"** प्रस्तावित किया गया था। शिखर सम्मेलन ने कार्रवाई के वर्ष में भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए दो प्लेटफॉर्म - 'फोकल ग्रुप' और 'डेमोक्रेसी कॉहोर्ट्स' भी विकसित किए।

स्रोत- द हिन्दू

भारतीय कृषि बीमा कंपनी (AIC)

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय कृषि बीमा कंपनी (AIC) ने 2021 की खरीफ फसलों के नुकसान के दावों के प्रति मुआवजे के रूप में 4 पैसे, 1, 10, और 20 रुपये की अल्प राशि जारी की।

भारतीय कृषि बीमा कंपनी (AIC) के बारे में:

- AIC का गठन भारतीय कंपनी अधिनियम,1956 के तहत 1500 करोड़ रू. की प्राधिकृत शेयर योजना तथा 200 करोड़ रू. की प्रदत्त योजनाओं के साथ 2002 में हुआ था।
- यह कंपनी वित्त मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्य करती है।
- यह दुनिया की सबसे बड़ी फसल बीमा कंपनी है।
- इसका मुख्यालय नई दिल्ली,भारत में है।
- यह 6 सार्वजनिक क्षेत्र के वित्तीय संस्थान जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन, न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी, ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी, नेशनल इंश्योरेंस कंपनी, यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी और नाबार्ड द्वारा प्रवर्तित है।
- AIC भारत के 500 से अधिक जिलों में मौसम और उपज आधारित फसल बीमा योजनाएँ प्रदान करती है।
- AIC किसानों को कीटों, बीमारियों और प्राकृतिक आपदाओं के परिणामस्वरूप फसल की विफलता से होने वाली वित्तीय हानियों के लिए बीमा कवर प्रदान करती है।

भारतीय उपमहाद्वीप में **खरीफ की फसल** उन फसलों को कहते हैं जिन्हें **जून-जुलाई** में बोते हैं और अक्टूबर के आस-पास काटते हैं। इन फसलों को बोते समय अधिक तापमान एवं आर्द्रता तथा पकते समय **शुष्क वातावरण** की आवश्यकता होती है।

उदहारण के तौर पर –धान,मक्का,ज्वार आदि।

रबी की फ़सल – ये फसलें नवंबर के महीनों में बोई जाती हैं। इन्हें बुआई के समय कम तापमान तथा पकते समय खुश्क और गर्म वातावरण की आवश्यकता होती है। उदाहरण के तौर पर गेहूँ, जौ आदि।

स्रोत- टाइम्स ऑफ़ इंडिया

असम का चराइदेव मैदाम

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में असम के मुख्यमंत्री द्वारा केंद्र सरकार से अहोम साम्राज्य के चराइदेव मैदाम को विश्व विरासत स्थल के रूप में नामित करने के लिए यूनेस्को को एक प्रस्ताव भेजने का प्रस्ताव रखा।

चराइदेव मैदाम क्या है?

- चराइदेव को आमतौर पर 'असम के पिरामिड' के रूप में जाना जाता है, जो अहोम राजाओं की मूल राजधानी थी।
- यह मध्यकालीन अहोम साम्राज्य की सर्वप्रथम राजधानी थी,जिसे सन् 1253 में इस वंश के संस्थापक चाओलुंग सुकफा ने बसाया था।
- घरेलू साम्राज्य लगभग 600 वर्षों तक अस्तित्व में था, जिस दौरान राजधानी को कई बार बदला गया लेकिन चराईदेव का महत्व बना रहा।
- आधुनिक काल में अहोम शाही परिवार की समाधियाँ मैदाम (मोईदाम) कहलाती हैं।

चराइदेव को 'असम का पिरामिड' क्यों कहा जाता है?

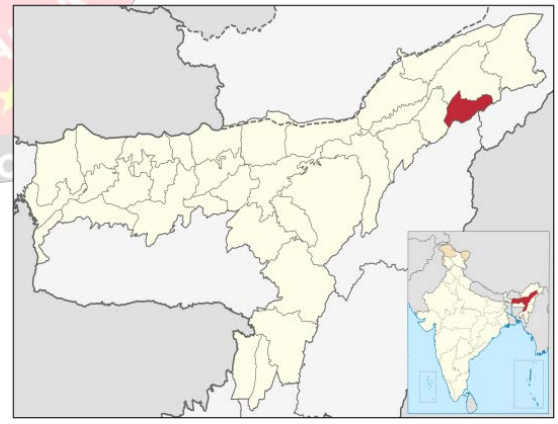

- इसमें अहोम राजाओं और रानियों के पवित्र कब्रिस्तान स्थित हैं और यह अहोमों के पूर्वजों के देवताओं का स्थान भी है।
- अहोम राजाओं और रानियों के कुछ 42 मकबरे (मैदाम) चराइदेव पहाड़ियों में मौजूद हैं।
- **वास्तुकला:** इसमें एक या एक से अधिक कक्षों के साथ एक विशाल भूमिगत तहखाना शामिल है जिसमें गुंबददार अधिरचना है और मिट्टी के टीले के ढेर से ढका हुआ है और बाहरी रूप से यह एक अर्द्ध-गोलाकार टीला प्रतीत होता है।

अहोम राजवंश:

- इसकी स्थापना चाओलुंग सुकफा ने की थी, जिसने 1228 में ब्रह्मपुत्र घाटी में प्रवेश किया था।
- उन्होंने छह शताब्दियों तक असम पर शासन किया।

- अहोमों ने भुइयां (जमींदारों) की पुरानी राजनीतिक व्यवस्था को अपने कब्जे में लेकर एक नए राज्य का निर्माण किया।
- अहोम प्रशासन लोकतांत्रिक और अभिजात मूल्यों के साथ-साथ एक राजतंत्र था।
- 17वीं शताब्दी में, कई बर्मी आक्रमणों और आंतरिक संघर्षों के कारण अहोम शासन कमजोर हो गया।
- 1826 में **यांडाबो की संधि** के बाद अहोम साम्राज्य पर ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा कब्जा कर लिया गया था।

पहला G-20 स्वास्थ्य कार्य समूह

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में भारत की अध्यक्षता में पहली G-20 स्वास्थ्य कार्य समूह की बैठक **केरल के तिरुवनंतपुरम** में आयोजित की गई।

पहले G-20 स्वास्थ्य कार्य समूह के बारे में:

- इस 3 दिवसीय सम्मेलन में सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग पर विभिन्न चर्चाएँ आयोजित की जा रही हैं।
- आयुर्वेद जैसे उपचार के पारंपरिक तरीकों के एकीकरण के माध्यम से कम लागत वाली उपचार सुविधाओं वाले देशों में आसान यात्रा को सक्षम करने वाली चिकित्सा मूल्य यात्रा को मजबूत करने और समग्र स्वास्थ्य देखभाल पर भी चर्चा हुई।

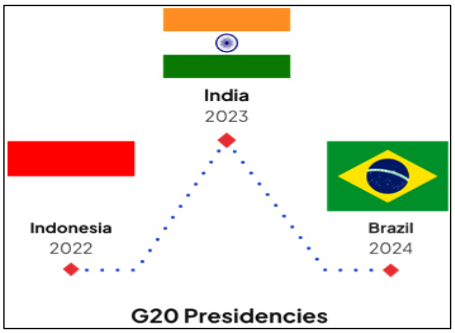

G-20 हेल्थ ट्रैक के लिए 3 प्राथमिकताएं:

- **प्राथमिकता I**: स्वास्थ्य आपात स्थिति की रोकथाम, तैयारी और प्रतिक्रिया (एक स्वास्थ्य और AMR पर ध्यान देने के साथ)।
- **प्राथमिकता II**: सुरक्षित, प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण और वहनीय चिकित्सीय प्रत्युपायों (वैक्सीन, चिकित्सीय और निदान) तक पहुंच और उपलब्धता पर फोकस के साथ फार्मास्युटिकल क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करना।

- **प्राथमिकता III:** यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज और हेल्थकेयर सर्विस डिलीवरी में सुधार के लिए डिजिटल हेल्थ इनोवेशन और सॉल्यूशंस।

पृष्ठभूमि

- G-20 हेल्थ वर्किंग ग्रुप (HWG) की स्थापना 2017 में जर्मन प्रेसीडेंसी के तहत स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों को मजबूत करने, कुपोषण को कम करने, स्वास्थ्य-संकट प्रबंधन और महामारी के खिलाफ लड़ाई को बढ़ाने जैसे मुद्दों पर एक साझा अंतर्राष्ट्रीय एजेंडा विकसित करने के लिए की गई थी।
- भारत ने 1 दिसंबर, 2022 को G-20 की अध्यक्षता ग्रहण की।
- भारत वर्तमान में **G-20 ट्रोइका** का हिस्सा है जिसमें इंडोनेशिया, भारत और ब्राजील शामिल हैं, यह पहली बार है कि ट्रोइका में तीन विकासशील और उभरती अर्थव्यवस्थाएं शामिल हैं।

स्रोत- ऑल इंडिया रेडियो

G-20 का पहला पर्यावरण और जलवायु स्थिरता कार्य समूह (ECSWG)

चर्चा में क्यों ?

- G-20 की पहली पर्यावरण और जलवायु स्थिरता कार्य समूह (ECSWG) की बैठक 09-11 फरवरी, 2023 के दौरान बेंगलुरु में आयोजित की जाएगी।

पर्यावरण और जलवायु स्थिरता कार्य समूह के बारे में:

- ECSWG की बैठक 'तटीय स्थिरता के साथ नीली अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने', 'अवक्रमित भूमि और पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली' और 'जैव विविधता में वृद्धि' और 'चक्रीय अर्थव्यवस्था की मजबूती' के एजेंडे पर केंद्रित होगी।
- इसकी मेजबानी पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC) द्वारा की जाएगी।

कर्नाटक राज्य वन विभाग द्वारा पहल:

- ई-परिहारा,एक ऑनलाइन आवेदन है जो मानव-पशु संघर्ष के मामलों में अनुग्रह दावों के प्रसंस्करण और मंजूरी में मदद करता है; इस प्रकार, दावों के प्रसंस्करण में पारदर्शिता और दक्षता लाना इसका मुख्य उद्देश्य है।
- ई-टिम्बर सुविधा सरकारी टिम्बर डिपो में लगभग वास्तविक समय में लकड़ी का स्टॉक उपलब्ध कराती है और सरकारी टिम्बर डिपो में लकड़ी/अन्य वन उपज के लिए ई-नीलामी की सुविधा प्रदान करती है।
- कर्नाटक वन विभाग द्वारा विकसित भू-स्थानिक वन सूचना प्रणाली एक अनूठा मंच है जो रिमोट सेंसिंग और GIS तकनीक का उपयोग करता है और राज्य में सभी अधिसूचित वन भूमि का स्थानिक डेटाबेस प्रदान करता है, जो वन भूमि अधिसूचनाओं, गांव के नक्शे, वन मानचित्रों और कैडस्ट्राल स्तर पर डिजिटल अधिसूचित वन तक पहुंच प्रदान करता है। ।
- वन अग्नि प्रबंधन प्रणाली वन अग्नि की योजना,शमन और विश्लेषण के लिए एक व्यापक समाधान है जो वन अग्नि जोखिम क्षेत्र मानचित्रण,अग्नि प्रारंभ भेद्यता मानचित्रण, जले हुए क्षेत्र का मूल्यांकन प्रदान करता है, साथ ही सक्रिय वन अग्नि अलर्ट के प्रसार के लिए एक मजबूत प्रणाली के साथ यह सुनिश्चित करता है कि सभी आग की घटनाओं को समयबद्ध तरीके से संबोधित और कम किया जाता है।

स्रोत- पीआईबी